दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 216
मुरादाबाद
(Friday)
27 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संविधान दिवसः प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं, बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों को किया नमन

संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए संविधान को भारतीय लोकतंत्र की अनमोल विरासत बताया और डॉ. बीआर अंबेडकर को नमन किया। वहीं, कांग्रेस देशभर में संविधान बचाओ पदयात्रा निकालेगी। लखनऊ में मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी मार्च में शामिल होंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संविधान दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की अमूल्य विरासत बताया। प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर और संविधान सभा के अन्य सदस्यों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान एक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में देश का मार्गदर्शन करता रहेगा।पीएम मोदी ने इस अवसर को संविधान निर्माताओं का सम्मान करने का मौका बताया। साथ ही, इसमें निहित मूल्यों को मजबूत करने की देश की प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वीडियो पोस्ट में संस्कृत के श्लोक भी साझा किए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल के लोकसभा में गिरने पर विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। मोदी ने कांग्रेस पर ओबीसी आरक्षण घटाने और मुस्लिम आरक्षण लागू करने की मंशा रखने का आरोप भी लगाया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को न्याय दिलाने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि कोई भी शक्ति उन्हें न्याय सुनिश्चित करने से नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक की हार के लिए %एक विपक्षी दल% को जिम्मेदार ठहराया। गुरुवार को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित एक हस्ताक्षरित लेख में मोदी ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण कम करना और मुस्लिम आरक्षण लाना चाहती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान की यात्रा महिलाओं के योगदान को पहचाने बिना अधूरी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि विधायी निकायों में



महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने वाला एक कानून एक विपक्षी दल द्वारा पारित नहीं होने दिया गया। यह सांविधानिक मूल्यों के प्रति उसकी अवहेलना को दर्शाता है। संविधान संशोधन विधेयक का उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को परिसीमन के माध्यम से अधिकतम 850 तक बढ़ाना था। इससे 2029 के आम चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त होता। विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी, लेकिन अप्रैल में यह पारित नहीं हो सका।

भारत हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाता है। यह दिन 1949 में संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने की याद दिलाता है। संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था, जिससे भारत एक गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ।बता दें कि, साल 2009 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने राज्य में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाना शुरू किया था। वर्ष 2015 में बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती वर्ष के अवसर पर पूरे देश में इस विशेष दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाने की ऐतिहासिक पहल की थी। इस ऐतिहासिक दिन (26 नवंबर) को संविधान दिवस के रूप में मनाने के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को संविधान स्वीकृत होने के 65 वर्ष बाद अधिसूचित किया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य नागरिकों के बीच संविधान के मूल्यों को बढ़ावा देना है।

भाजपा मना रही संविधान गौरव दिवस-इस मौके पर भाजपा देशभर में संविधान गौरव दिवस मना रही है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन पटना में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगी।इस अवसर पर कांग्रेस ने गुरुवार को सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर संविधान रक्षा मार्च आयोजित करने की घोषणा की। यह अभियान संविधान की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लखनऊ में मार्च में शामिल होंगे। यह मार्च 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले हो रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने बताया कि प्रत्येक प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपने राज्य में मार्च का आयोजन करेगी।

मार्च का उद्देश्य और वोट रक्षक अभियान-प्रत्येक मार्च की शुरुआत बी आर अंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमा से होगी। यह कांग्रेस पार्टी की संविधान की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और नागरिक सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना पढ़ेंगे। वे न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को याद करेंगे। साथ ही, संविधान की रक्षा की शपथ भी लेंगे। इन मार्चों के साथ, कांग्रेस कार्यकर्ता %वोट रक्षक% अभियान के तहत हर मतदान केंद्र पर पहुंचेंगे। वे मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं के नामों का सत्यापन करेंगे। यह अभियान उन्हें मतदान का अधिकार वापस दिलाने में मदद करेगा।अन्य दलों के कार्यक्रम- कॉकक्रोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता अभिजीत दिपके ने बुधवार को नागपुर में लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ रैली की घोषणा की। दिपके ने बताया कि संगठन 26 नवंबर को संविधान दिवस पर नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम भारतीय चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ होगा।

संक्षिप्त समाचार



जनसत्ता दल ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट, कुंडा से राजा भैया लड़ेंगे चुनाव

यूपी जनसत्ता दल ने आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में तीन प्रत्याशी हैं। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय से जारी इस घोषणा में प्रतापगढ़ जिले की तीन प्रमुख विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई गई है। इस सूची के अनुसार कुंडा से वर्तमान विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 卐राजा भैया卐 को पार्टी ने फिर से अपना प्रत्याशी बनाया है। वह कुंडा सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इसी तरह से बाबागंज विधानसभा से वर्तमान विधायक विनोद सरोज को एक बार फिर चुनावी मैदान में उतारा गया है। विश्वनाथगंज सीट से प्रतापगढ़ के जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल को इस सीट से उम्मीदवार घोषित किया गया है। आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज करते हुए पार्टी नेतृत्व ने इन तीन क्षेत्रों में अपने मजबूत चेहरों पर भरोसा जताया है।

विपक्ष नहीं, अवरोध पक्ष बन गई है कांग्रेसः पीएम मोदी बोले- महिलाओं को न्याय दिलाने से कोई नहीं रोक सकता

सपा का घोषणा पत्रः कानून व्यवस्था को लेकर इमेज बदलने की कोशिश में दिखे अखिलेश, छिपे शब्दों में दी ये चेतावनी



सपा ने गुरुवार को अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया। इस मौके पर अखिलेश यादव कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आक्रामक दिखे। चुनावी घोषणा पत्र प्रस्तुत करने के दौरान अखिलेश यादव अपनी उस इमेज को तोड़ने का प्रयास करते दिखे जो विरोधी पार्टियां उन पर लगाती हैं। अखिलेश ने जोर देकर कहा कि आपराधिक गतिविधियों में जो भी लिप्त पाया जाएगा, उसे जेल भेज दिया जाएगा। फिर वह चाहे किसी भी जाति या धर्म का हो। गों और हेट क्राइम पर जीरो टॉलरेंस-अखिलेश यादव ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति लागू की जाएगी। विशेष रूप से महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ संगठित अपराध व हेट क्राइम को लेकर भी सख्ती बरतने का संकल्प व्यक्त किया गया है। जाति या धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के दंगे न होने देने और महिलाओं तथा अनुसूचित जाति के विरुद्ध बढ़ते अपराधों पर विशेष सतर्कता के साथ प्रभावी कार्रवाई कर उन्हें नियंत्रित करने की बात कही गई है। इसके अलावा प्रदेश भर में माफिया और गुंडों को पनपने न देने तथा उन पर तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पार्टी संकल्पित है। भूमि कब्जा रोकने के लिए विशेष एसटीएफ और बाजारों में निगरानी-जमीनी विवादों को सुलझाने और माफिया या प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा गरीब, पिछड़े, दलित और असहाय लोगों की जमीन पर कब्जे को रोकने के लिए एक विशेष एसटीएफ गठित करने की बात कही गई है। इसके तहत डायल 100/112 की तर्ज पर अलग रंग की गाड़ियां तैयार की जाएंगी, जो निरंतर गश्त कर भूमि कब्जों पर नियंत्रण रखेंगी। वहीं व्यापारियों, दुकानदारों और उद्यमियों को माफिया व बाहुबलियों के उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रमुख बाजारों में डायल 100/112 की गाड़ियां तैनात करने तथा संबंधित जिला अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था प्रस्तावित है।महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए डीजीपी के नियंत्रण में एक विशेष महिला पुलिस ढांचा बनाने का प्रस्ताव है, जिसकी पहुंच गांव स्तर तक होगी। इसका उद्देश्य महिलाओं के विरुद्ध अपराध रोकना और घटना होने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। साथ ही 1090 व्यवस्था को फिर से सुदृढ़ करने और डायल 100/112 को मजबूत बनाने की बात कही गई है, ताकि पुलिस बल कम से कम समय में मौके पर पहुंचकर नागरिकों और विशेषकर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर सके। एआई, सीसीटीवी, ड्रोन और साइबर यूनिट पर जोर- कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण में तकनीक के व्यापक उपयोग का खाका भी रखा गया है। इसके तहत सभी जिलों में साइबर क्राइम कंट्रोल के लिए साइबर यूनिट स्थापित की जाएंगी। प्रमुख शहरों की ट्रैफिक व्यवस्था को एआई युक्त तकनीक से सुधारने और अपराध नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं पर एआई आधारित व्यवस्था लागू करने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त एक वर्ष के भीतर गांवों और कस्बों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन निगरानी व्यवस्था स्थापित कर उसे यूपी 100/112 नियंत्रण केंद्रों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। यूपी पुलिस में भर्ती, 33ब आरक्षण और कर्मियों का कल्याण- पुलिस बल को सशक्त बनाने के लिए यूपी पुलिस के सभी खाली पदों को तत्काल भरने और नई रिक्तियों में महिलाओं को 33ब प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की बात कही गई है। पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए काम के घंटे तय करने, साप्ताहिक छुट्टी व वर्क-लाइफ बैलेंस की व्यवस्था करने, पड़ोसी जिलों में तैनाती और पदोन्नति के अवसर देने तथा सभी कर्मियों के लिए सरकारी आवास उपलब्ध कराने का उल्लेख है। इसके साथ ही साइकिल भत्ते के स्थान पर मोटरसाइकिल भत्ता व मोबाइल भत्ता देने, पौष्टिक आहार भत्ता बढ़ाने और पुलिस विभाग में कार्यरत पति-पत्नी की यथासंभव एक ही जिले में पोस्टिंग करने की बात भी शामिल है।

सपा-कांग्रेस में सीटों को लेकर खींचतान पर बोले खरगे- हमें गठबंधन नेताओं का अपमान नहीं करना है

लखनऊ में संविधान दिवस कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस पर तीखा हमला बोलते हुए 400 पार के नारे, अग्निवीर योजना और महंगाई को लेकर सरकार को घेरा। मार्च की अनुमति न मिलने पर नाराजगी के बीच खरगे ने गठबंधन की एकजुटता पर जोर दिया और कहा कि यूपी की जनता ने भाजपा के अश्वमेध के घोड़े को रोक लिया है। जधानी लखनऊ में गुरुवार को संविधान दिवस पर कांग्रेस ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें शामिल होने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी पहुंचे। इस मौके पर संविधान रक्षा मार्च भी निकाला जाना था।



लेकिन, जिला प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी। प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने मार्च के लिए अनुमति न मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेसजन संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के 145 साल के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस कभी खत्म होने वाली पार्टी नहीं है। मिलकर लड़ेंगे तो जीतेंगे ही।खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान और बाबा साहेब के सम्मान के मुद्दे पर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। खरगे ने भाजपा पर राम के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, तुमने राम के नाम पर चोरी की, तुम्हें स्वर्ग का दरवाजा नहीं मिलेगा। संविधान रक्षा मार्च में हिस्सा लेने आए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन ने सपा-कांग्रेस गठबंधन पर अपने नेताओं को सीख दी। खरगे ने कहा कि जो दल हमारे गठबंधन में हैं उनके नेताओं के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ने कहा कि मोदी ने ज्ञानेश कुमार के साथ मिलकर हमारे वोटों की चोरी की। प्रधानमंत्री पहले जहां जाते थे, वहां बोलते थे, अबकी बार 400 बार। अरे कहां गया आपका 400 पार। 400 पार कहकर अश्वमेध का जो घोड़ा आपने छोड़ा था, उसे उत्तर प्रदेश के वासियों ने पकड़ लिया है। आगे आपके लिए (पीएम के लिए) यही सलाह है कि गद्दी छोड़ देना। लखनऊ वालों ने आपको ऐसा सबक सिखाया कि 400 बार की बोलती बंद हो गई है।

बिना ओवैसी का नाम लिए बोले आजम-कुछ लोगों का मकसद सिर्फ चुनाव हराना होता है; उनसे बचकर रहें

सपा के घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर सपा नेता आजम खां लखनऊ पहुंचे। यहां उन्होंने जेल में बंद होने का दर्द शेयर किया। घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर आजम खां ने कहा कि कुछ लोगों का मकसद अपनी जीत नहीं होता। उनका मकसद ही लोगों को हराना होता है। कुछ लोगों का मकसद यह होता है कि दूसरा जीत न पाए। ऐसे लोग न इस दुनिया के न उस दुनिया के, वहीं फायदेमंद नहीं होते। वह हम सभी के गुनाहगार हैं। आजम ने कहा- अखिलेश को शुक्रिया-सलाम, एक आधा जिंदा आदमी आपके सामने खड़ा, हमारे अजीज अखिलेश यादव जी को शुक्रिया। मुझसे कोई गलती हो जाए तो माफ करेंगे। इस पांच साल की कैद ने दिल दिमाग को काफी प्रभावित किया है। कोई आम इंसान होता तो उसे



अब तक मर जाना चाहिए था। जिस घृणा के सामना हमने किया है हमें मर जाना चाहिए था लेकिन हम शख्त जान है, कुछ करके ही मरेंगे।बाराबंकी में एक शायर थे खुमार साहब। मैंने एक मुसायरे में उनके बारे में पूछा तो पता तो पता चला कि उन्होंने एक बार फिर से जाम को हाथ लगा लिया है। हमने उनको खोजा। हम उन चंद बेवकूफ लोगों में से है जिन्होंने एक ही खानदान के लिए अपना आधा जीवन गुजार दिया। जिनके लिए सबकुछ किया मैं आधी सदी तक उनके साथ रहा और अपनी आने वाली पीढ़ी को भी उनके हवाले कर दिया।हम वोट कटुआ नहीं है, हम वोट जोड़ते हैं-मैंने कहा था जेल के निकलने के बाद, हालांकि पंद्रह मिनट बाद ईडी गिरफ्तार करके ले गए। दो लम्हें ऐसे गुजरे जब हमें लगा दिल फट क्यों नहीं गया। एक बार साढ़े तीन बजे जेलर साहब ने हमें उठा दिया और कहां आपका ट्रांसफर हो गया है। मुझे इसका दर्द नहीं है कि जेल में तन्हा रहा लेकिन दर्द इस बात का है कि एक बेगुनाह बेटे को जेट में उसके साथ गुजारना पड़ा। ऐसा तो अंग्रेजों ने भगत सिंह के साथ भी नहीं किया था कि उनके परिवार वालों को जेल में डाल दिया गया हो। हम बहता हुआ समंदर है गंदा नाला है। हम वोट कटुआ नहीं है वोट जोड़ते हैं। एक बार लगा कि हमें गोली मार दी जाएगी- आजम खां ने कहा कि एक बार को हमें अलग खड़ा कर दिया गया

संपादकीय Editorial

Three superpowers are not the only "world"

In Shenzhen, China, the presidents of the world's three so-called superpowers—the United States, China, and Russia—held a closed-door "grand dialogue" for the first time and agreed to reduce nuclear weapons. Chinese President Xi Jinping even called for the complete elimination of nuclear weapons. This is an attractive lead for media coverage, but the reality is that no country is a "superpower" today. Possessing five nuclear bombs can cause unimaginable destruction, leaving countless corpses, and generations crippled and distraught. Reduction is meaningless. Of course, Russia has 5,420 declared nuclear weapons, the United States has 5,042, and China has 620. However, the United States trembles and fears the autocratic regime of North Korea, which possesses 50-70 potential nuclear weapons. Russia should have defeated Ukraine in just three days, but the war is now five years old. Despite being in ruins, Ukraine is not only still at war, but is also carrying out precision drone strikes on the Russian capital, Moscow, and other cities, destroying resources and oil and gas plants. The US imposed war on Iran about nine months ago, but Iran is still fighting and teaching the US a devastating lesson. In fact, today, the US, China, and Russia are not the only global order. Of course, they are veto-wielding members of the United Nations Security Council. The US and China are the world's two largest economies, but these three superpowers cannot dictate the rest of the world to their will. The three presidents—Xi Jinping, Donald Trump, and Vladimir Putin—held talks for 90 minutes, but China did not allow the Taiwan issue to be raised. They were also in no position to make any decisions on the Ukraine and Iran wars, so they were not mentioned in the joint declaration. This "Great Dialogue" is being compared to the Yalta Conference of 1945 after World War II, which is fundamentally and ideologically wrong. At that time, US President Franklin Roosevelt, then-Britain's Prime Minister Winston Churchill, and Soviet Union leader Joseph Stalin did hold a "Great Meeting" after the defeat of Nazi Germany, but the fundamental objectives were different. China did not even have a sovereign existence. that time, there was a plan to divide Germany into four zones of control—the United States, Britain, France, and the Soviet Union. A consensus was reached on the reorganization of Europe. The framework of the United Nations was further developed. Today, these three superpowers are criticizing the UN and talking about the "unauthorized efforts" of the International Criminal Court. Today, the fundamental concern is global peace, security, and stability, which no country, superpower, or organization can guarantee. The entire world feels like it's sitting on a powder keg. The Cold War began only after the Yalta Conference. Countries that were considered allies became bitter enemies. The world was divided between Western countries and leftist forces. Today, global circumstances and equations are completely different. Today, the United States, China, and Russia do not have a single, common enemy. They themselves harbor a secret enmity. The United States has imposed numerous sanctions on Russia, freezing its bank accounts. The United States may also impose a 200% tariff on China and will block semiconductor chip exports to China to prevent technology copying.

Self-Respect Marriage: Why the distancing from Vedic tradition in the name of self-respect?

The origins of Self-Respect Marriage are linked to E.V. Ramasamy Periyar's Self-Respect Movement. In the early decades of the twentieth century, Periyar spoke out against caste discrimination, social inequality, the clerical system, and the subjugation of women. The marriage of Anirudh Ravichander and Sunrisers Hyderabad owner Kavya has once again brought Tamil Nadu's social and political ideology into the spotlight. The highlight of this wedding wasn't the presence of prominent film personalities or a grand ceremony, but rather the absence of the familiar rituals of a traditional Hindu wedding.

There were no seven rounds of fire, no chanting of Vedic mantras, and no priest present. The bride and groom exchanged garlands and chains in the presence of family and friends, exchanging vows of life together. This was called a "self-respect marriage." Undoubtedly, two adult individuals have the right to marry according to their choice and belief. The Indian Constitution also protects the right to personal liberty and faith, but when a marriage system is backed by a political and social movement spanning nearly a century, it becomes necessary to consider its implications. Why was the need for such a marriage felt in Tamil Nadu? Was it merely an attempt to reform social evils, or was it also a groundwork for ideological distancing from the Vedic marriage tradition? The answer lies in the history of the Dravidian movement in Tamil Nadu.

The origins of self-respect marriage are linked to E.V. Ramasamy Periyar's Self-Respect Movement. In the early decades of the twentieth century, Periyar spoke out against caste discrimination, social inequality, the clerical system, and the subjugated status of women. He believed that marriage is a relationship of mutual consent between two individuals, without the need for reliance on a priest or religious rituals.

At that time, Indian society was plagued by problems like child marriage, dowry, discrimination against widows, and caste hierarchy. Raising voices against these issues and striving for equal rights for women was certainly the need of the hour, but Periyar's movement also had a different side. He gradually linked opposition to social inequality with opposition to the Brahminical system, Sanskrit, and Vedic religious traditions.

This is where a review of this ideology becomes necessary. Are Vedic marriage rituals the cause of caste discrimination? Is it necessary to abandon the seven rounds of fire and Vedic mantras to protect women's rights? Evil practices like dowry and child marriage should be opposed, but their solution cannot be found by criticizing the entire religious tradition. It is important to understand the difference between social reform and cultural rejection.

Then, after the DMK government came to power in Tamil Nadu in 1967, Chief Minister C.N. Annadurai amended the Hindu Marriage Act, adding Section 7A. The amendment received Presidential assent in January 1968, legalizing self-respect marriages. Under this system, the bride and groom can declare their acceptance as husband and wife or solemnize the marriage by exchanging garlands, rings, or plates. A priest, fire, Vedic chanting, or Saptapadi (sacred thread) are not required for this.

This law gave legal recognition to an alternative marriage system, but its political context must also be understood. Opposition to the Brahminical system, along with social justice, Tamil identity, and non-Brahmin representation, has been central to the DMK's ideology. Over time, this opposition has sometimes manifested as a critique of broader Hindu religious and Vedic traditions.

Opposition to Brahminical dominance and rejection of Vedic culture are not the same thing. Imposing religious rituals on an individual is wrong, but considering the mere presence of a priest a symbol of social exploitation is also a one-sided approach. Establishing social equality should not require permanent opposition to any particular community or cultural tradition.

The most interesting aspect of this discussion is Tamil Nadu's own religious heritage. The Meenakshi Temple in Madurai, the Ranganathaswamy Temple in Srirangam, the Nataraja Temple in Chidambaram, and the Ramanathaswamy Temple in Rameswaram are vibrant centers of religious consciousness in this region. The devotional tradition of the Alvar and Nayanar saints has enriched not only South India but the entire Indian spiritual consciousness.

Bhakti literature written in the Tamil language has its own unique significance. Temple architecture, religious festivals, music, and worship practices are an integral part of the cultural identity of Tamil society. Vedic, Agamic, and local religious traditions have coexisted here for centuries.

In such a situation, the notion that distance from the Vedic tradition is a sign of modernity and progress is not appropriate. Tamil Nadu's identity is not solely shaped by the Dravidian political movement. It is also identified with the temples, saints, writers, philosophers, and cultural traditions that have enriched Indian civilization.

It should also be noted that not all people in Tamil Nadu share the religious and cultural beliefs of the Dravidian movement. Even today, a large number of families there still marry according to traditional Hindu customs.

By the way, weddings in the South Indian film industry make this debate even more relevant. Recently, the film The marriage of star Vijay Deverakonda and renowned actress Rashmika Mandanna was in the news for its adherence to traditional religious rituals. Both emphasized their family and cultural traditions. On the other hand, Anirudh and Kavya adopted a self-respect marriage.

These two examples clearly demonstrate that there is no uniform approach to marriage in South India. Even families embracing a modern lifestyle have a deep attachment to traditional rituals. It is a hallmark of Indian society that modernity and tradition coexist here.

So why should the question arise that a person who marries according to Vedic rituals is conservative, while one who marries without chanting mantras is more progressive? Can't couples who take the seven vows believe in equality and women's freedom? Can't a family that marries with religious rituals be supportive of social reform? Linking modernity with the abandonment of religious traditions is inherently narrow-minded.

In Indian marriage traditions, marriage is considered a sacrament. The seven vows taken around the fire symbolize the responsibilities, trust, cooperation, and dedication of married life. Holding each other's hands in marriage is a pledge to share life's responsibilities. The vows of Saptapadi express the spirit of family, health, prosperity, friendship, and lifelong companionship.

It would be unfair to dismiss these rituals as mere rituals. It is true that evils like dowry, unnecessary expenditure, and discrimination against women in the name of marriage should be eliminated, but blaming marriage rituals for these evils is not the solution. There is always scope for improvement in tradition. The need is to understand its core spirit and make positive changes in accordance with the times.

Certainly, Anirudh and Kavya's marriage is their personal choice. It should be respected, but the ideological background against which this marriage is being presented draws attention to a larger question. Is it necessary to distance oneself from Vedic traditions to establish social equality? Is it not possible to maintain respect for the Vedas, Upanishads, temples, and traditional marriage rituals while fighting against caste discrimination?

Dravidian politics should also introspect on this question. The aim of social justice is to establish equality in society, not to undermine anyone's religious or cultural identity. Similarly, supporters of tradition should also accept that imposing religious customs on anyone is not appropriate.

India's strength lies in its cultural diversity and the continuity of traditions. There should be freedom to marry with Vedic mantras and without religious rituals, but insisting on declaring one's own choice superior and another's tradition backward cannot be justified by either party.

After all, self-respect means not only choosing one's own choice but also respecting the faith and traditions of others.

Indian culture needs to be freed from social evils, but this does not require denying one's cultural roots. Reform is one that improves tradition, not one that pits society against its own heritage.

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

योगी सरकार की सामूहिक विवाह योजना से 92 जोड़ों का बसा घर









♦ मुरादाबाद में पूरे रीति-रिवाज और सम्मान के साथ संपन्न हुआ विवाह समारोह

♦ वित्तीय वर्ष 2026-27 के 897 जोड़ों के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ते कदम

♦ 28 नवंबर को आर्केडिया ग्रीन में 200 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

मुरादाबाद । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए नई खुशियों का आधार बन रही है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह पूरे सम्मान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कराया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को मुरादाबाद के लाइन पार स्थित रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में विभिन्न वर्गों के 92 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवदंपतियों को सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस समारोह में उत्सव और उल्लास का माहौल रहा। इससे पहले जिले में दो सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के माध्यम से 602 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। गुरुवार को 92 और जोड़ों के विवाह के साथ वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तीन आयोजनों में कुल 694 जोड़े नए जीवन की शुरुआत कर चुके हैं।

जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद-समारोह में सदस्य विधान परिषद जयपाल सिंह व्यस्त, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की संयोजिका अल्पना गुप्ता ने नवविवाहित जोड़ों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नवदंपतियों के सुखद भविष्य की कामना की। इस दौरान उपायुक्त स्वत: रोजगार प्रिया अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा वाजपेयी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने नवदंपतियों को सुखी और समृद्ध वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

897 जोड़ों के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा जिला-वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शासन ने मुरादाबाद जिले को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 897 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य दिया है। इसके लिए 897 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है। अब तक 694 जोड़ों का विवाह संपन्न हो चुका है। इस तरह जिले ने निर्धारित वार्षिक लक्ष्य के तहत बड़ी संख्या में पात्र परिवारों को योजना का लाभ पहुंचाया है।

28 नवंबर को 200 जोड़े लेंगे सात फेरे,-योजना के तहत अगला सामूहिक विवाह समारोह 28 नवंबर को रामपुर रोड स्थित आर्केडिया ग्रीन में प्रस्तावित है। इस आयोजन में 200 जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा वाजपेयी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप योजना का लाभ पारदर्शिता और सम्मान के साथ पात्र परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 28 नवंबर के आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका का किया पाठन

संविधान की मूल भावना को आत्मसात करते हुए पदीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का लिया संकल्प

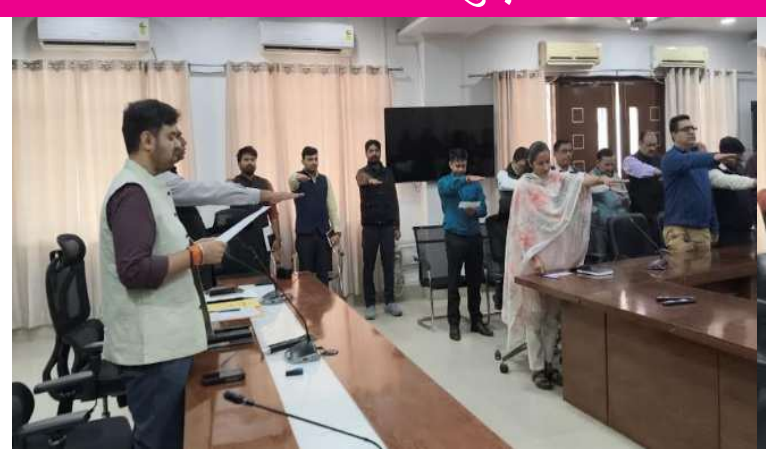



संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री अनुनय झा द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की उद्देशिका का पाठन कराया गया। इस दौरान सभी ने संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा नागरिकों के प्रति अपने दायित्वों के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पदीय दायित्वों का पूरी निष्ठा, निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने कहा कि संविधान हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। प्रशासनिक व्यवस्था में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व है कि वह संविधान की मूल भावना के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में निष्पक्षता, जवाबदेही, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना संविधान के मूल आदर्शों को व्यवहार में उतारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया था। संविधान दिवस हमें संविधान निर्माताओं के योगदान को स्मरण करने तथा संविधान में निहित लोकतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका में निहित आदर्शों को अपने कार्य एवं आचरण में अपनाने तथा अपने पदीय दायित्वों का पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी नगर श्री अंकुर श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी गण एवं कलेक्ट्रेट के कर्मचारी गण मौजूद रहे।

जिला प्रशासन एवं महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के बीच हुआ समझौता (एमओयू)

0 से 6 वर्ष तक के संदिग्ध श्रवण बाधित बच्चों की होगी नि:शुल्क जांच



जनपद में 0 से 6 वर्ष तक की आयु के संदिग्ध श्रवण बाधित बच्चों की समय से पहचान, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं श्रवण संबंधी जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन/मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुरादाबाद एवं तीर्थंकर महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, मुरादाबाद के मध्य महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) हुआ। समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम द्वारा ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी, जिनमें श्रवण संबंधी समस्या की आशंका होगी। चिन्हित बच्चों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुरादाबाद द्वारा विधिवत रेफरल स्लिप उपलब्ध कराकर तीर्थंकर महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, मुरादाबाद भेजा जाएगा, जहां बच्चों को नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं ऑडियोलॉजिकल जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। समझौते के तहत बच्चों की श्रवण क्षमता की जांच के लिए बीईआरए (Brainstem Evoked Response Audiometry) एवं ओएई (Otoacoustic Emissions) जैसी आवश्यक जांचें नि:शुल्क कराई जाएंगी।

जांच के उपरांत चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार बच्चों को आगे की उपचारात्मक एवं आवश्यक सेवाओं के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे की जांच के लिए 300 रुपये की निर्धारित धनराशि का भुगतान General Health Care and Child Welfare Society, Moradabad द्वारा किया जाएगा। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को श्रवण संबंधी जांच एवं आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकेंगी। इस पहल से विशेष रूप से छोटे बच्चों में श्रवण संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक अवस्था में पहचान संभव होगी, जिससे समय रहते आवश्यक चिकित्सकीय हस्तक्षेप किया जा सकेगा और बच्चों के विकास, शिक्षा एवं भविष्य पर श्रवण बाधिता के संभावित प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी।

एमओयू के अवसर पर मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह, कुलाधिपति तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय श्री सुरेश जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमार बेलवाल, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के निदेशक (प्रशासन) श्री अभिषेक कपूर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एनएचएम, मुरादाबाद तथा सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में 25 नवम्बर को अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6, अपमार्जित कराने हेतु फार्म-7 तथा मतदाता सूची में दर्ज विवरण में संशोधन, निवास स्थान परिवर्तन एवं डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने हेतु फार्म-8 भरकर दिनांक 16 दिसम्बर 2026 तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय अथवा संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

बैठक में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दिनांक 24 नवम्बर 2026 तक के फार्म-9, 10, 11, 11ए एवं 11बी का डाटा भी उपलब्ध कराया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा अपने परिवार के सदस्यों एवं क्षेत्र के सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने हेतु जागरूक करें। साथ ही प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर उनकी सूची जिला निर्वाचन कार्यालय अथवा संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को उपलब्ध करा दें। बीएलए से अपने संबंधित बूथ के बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने हेतु फार्म-6 भरवाने में सहयोग करने की अपेक्षा की गई।

बैठक में दिनांक 28 नवम्बर 2026 (शनिवार) एवं 29 नवम्बर 2026 (रविवार) को आयोजित होने वाले विशेष अभियान के संबंध में भी व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को जागरूक के3 पर भी चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि नागरिक घर बैठे ऑनलाइन फार्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवश्यकता के अनुसार फार्म-7 एवं फार्म-8 के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है।

बैठक में महानगर उपाध्यक्ष भाजपा श्री नवदीप टण्डन, महानगर अध्यक्ष बसपा श्री ऐहसानुल हक कुरैशी, महानगर अध्यक्ष अपना दल श्री विवेक गंगवार, जिला कार्यालय प्रभारी समाजवादी श्री महेन्द्र सिंह, जिला सचिव अपना दल श्री आकिल एवं कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया श्री महीपाल सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

मुरादाबाद खादी महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ

पहले ही दिन खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों की करीब 2 लाख की बिक्री खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा युवा केन्द्र, साईं मंदिर रोड, दीनदयाल नगर, मुरादाबाद में आयोजित 'मुरादाबाद खादी महोत्सव-2026' का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शेफाली सिंह चौहान, अध्यक्ष, जिला पंचायत मुरादाबाद द्वारा किया गया। महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही आम जनमानस में खादी एवं ग्रामोद्योग से संबंधित उत्पादों के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही प्रदर्शनी में लोगों की आवाजाही शुरू हो गई तथा विभिन्न स्टालों पर उत्पादों की बिक्री भी प्रारंभ हो गई। पहले ही दिन खादी एवं ग्रामोद्योग के उत्पादों की लगभग ?2 लाख की बिक्री हुई। उद्घाटन के उपरांत मुख्य अतिथि ने देश के विभिन्न राज्यों एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए खादी एवं ग्रामोद्योगी इकाइयों के स्टालों का भ्रमण किया। उन्होंने कारीगरों एवं उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए उत्कृष्ट उत्पादों का अवलोकन किया और उनके हुनर एवं उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग के उत्पाद आत्मनिर्भरता, स्वदेशी भावना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महोत्सव में देश एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के विविध उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

चोरों ने पुलिस को दी खुली चुनौती, चार ठिकानों से लाखों की चोरी

कस्बा की मार्केट में तीन दुकानों के काटे ताले, वसंत विहार कॉलोनी के घर को भी बनाया निशाना चार दिन पहले सहसा में आठ घरों में हुई चोरी का भी नहीं हुआ खुलासा

@ क्यूँ न लिखूँ सच





फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा में चोरों के हौसले बुलंद हैं। बेखौफ चोरों ने एक ही रात में कस्बा मुख्य बाजार में दो शराब एक हार्डवेयर जनरल स्टोर तीन दुकानों और वसंत विहार कॉलोनी के एक मकान समेत चार ठिकानों को निशाना बनाकर लाखों की चोरी की है।घटनाओं के अंजाम देकर चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती दी है।पीड़ित अजय अग्रवाल ने तहरीर दी है।चोरी जल्द खुलासे के लिए सीओ हाइवे देवेश सिंह ने सर्विलांस टीम लगाई है। सब्बल से ताला तोड़ते हुए दो चोर सीसी टीवी कैमरे में कैद हुए है।

जानकारी के मुताबिक बुधवार रात अज्ञात चोरों ने मुख्य बाजार की अंग्रेजी शराब की दुकान का ताला काटकर करीब 15 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। इसके बाद अजय अग्रवाल की दुकान को निशाना बनाया। यहां से करीब 80 हजार रुपये के नए नोटों की मालाएं और नौ लाख रुपये नकद ले गए।पास में ही चोरों ने देसी शराब की दुकान के ताले भी तोड़ दिए। इसके अलावा वसंत विहार कॉलोनी निवासी भूरी गंगवार के घर से भी चोर सोने की एक चेन, मांग टीका, दो अंगूठियां, चांदी की तगड़ी, गुलशन पट्टी, पांच पैंडल वाला मंगलसूत्र, 1500 रुपये नकद और तीन जोड़ी चांदी की पायल चोरी कर ले गए।गांव टिटौली नन्हे लाल के घर से करीब डेढ़ लाख की भैंस चोरी करके ले गए।सुबह को घटना की जानकारी होने पर हड़कंप मच गया।लगातार चोरी से लोगों में दहशत है।सूचना पर सीओ हाइवे देवेश सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीन कुमार ने घटना स्थल का मौका मुआना किया।व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष अग्रवाल की अगुवाई में व्यापारियों जल्द चोरी की घटनाओं के खुलासे और रात्रि पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पुलिस सर्विलांस टीम की मदद से चोरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सीसी टीवी कैमरे में कैद हुए दोनों चोरों की पहचान कराकर तलाश की जा रही है।फुटेज के आधार पर जल्द आरोपियों को हिरासत में लेकर सभी घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

गौरतलब है कि चार दिन पहले थाना क्षेत्र के गांव सहसा में भी चोरों ने आठ घरों को निशाना बनाया था। उस घटना का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। चार दिन के भीतर कस्बे के बीचोंबीच हुई चोरी से पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार हो रही चोरी से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में आक्रोश और दहशत है।

किसानों-मजदूरों की आठ सूत्रीय मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, मुख्यमंत्री से भी की चार प्रमुख मांगें

@ क्यूँ न लिखूँ सच



ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद)। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और शिक्षा के निजीकरण समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश ने अपनी आवाज बुलंद की है। 26 नवंबर 2026 को मोर्चा की ओर से राष्ट्रपति के नाम उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा के माध्यम से आठ सूत्रीय मांग पत्र भेजा गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम भी अलग मांग पत्र देकर प्रदेश से जुड़ी चार प्रमुख मांगें उठाई गईं।राष्ट्रपति के नाम भेजे गए ज्ञापन में सभी फसलों की खरीद सी-2 लागत पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त लाभ के साथ सुनिश्चित करने के लिए गारंटी कानून बनाने, किसानों और मजदूरों के सभी कर्ज माफ करने तथा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वस्तुओं पर लगाए गए अप्रत्यक्ष करों को समाप्त करने की मांग की गई। इसके अलावा सभी को समान एवं निशुल्क शिक्षा मातृभाषाओं में उपलब्ध कराने और सरकारी कामकाज भी मातृभाषाओं में करने की मांग उठाई गई।ज्ञापन में बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को प्रतिमाह 10 हजार रुपये पेंशन देने के लिए कानून बनाने, जरूरत के अनुसार सभी को मुफ्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने तथा न्यायालय से दोषी सिद्ध होने से पहले गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है। साथ ही अमेरिका के साथ हो रहे व्यापार समझौतों पर रोक लगाने की मांग की गई।

वहीं मुख्यमंत्री के नाम दिए गए मांग पत्र में वर्ष 2026-27 के पेराई सत्र में गन्ने का रेट 500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने, घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने, बिजली विभाग के निजीकरण पर रोक लगाने और स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया बंद करने की मांग की गई। इसके साथ ही शिक्षा को निशुल्क करने, मातृभाषाओं में शिक्षा एवं सरकारी कार्य कराने तथा बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं के लिए 10 हजार रुपये मासिक पेंशन का कानून बनाने की मांग उठाई गई। संयुक्त किसान मोर्चा ने ज्ञापन के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार से किसानों, मजदूरों तथा आम जनता के हित में इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द कार्रवाई करने की अपील की है। ज्ञापन में संयुक्त किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मदरसा गुलशन-ए-मुस्तफा में आयोजित हुआ जलसा, बच्चों ने पेश किए हुनर के शानदार प्रदर्शन; कमेटी ने इनाम देकर बढ़ाया उत्साह

डिलारी - जिला मुरादाबाद की नगर पंचायत ढकिया पीरू स्थित मदरसा गुलशन-ए-मुस्तफा में एक जलसे का आयोजन किया गया। जलसे में क्षेत्र के दर्जनों मदरसों से आए बच्चों ने अपनी प्रतिभा और हुनर का शानदार प्रदर्शन कर मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का आयोजन मदरसा गुलशन-ए-मुस्तफा के सदर सलाउद्दीन दरोगा साहब के वालिद साहब की बरसी के सिलसिले में किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के विभिन्न मदरसों से छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया था। जलसे में बच्चों ने पवित्र कुरआन की तिलावत, नातिया कलाम और तकरीर पेश कर अपनी धार्मिक एवं शैक्षिक प्रतिभा का परिचय दिया। बच्चों और बच्चियों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न मुकाबलों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मदरसा गुलशन-ए-मुस्तफा के सदर सलाउद्दीन दरोगा साहब की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कमेटी के इस प्रयास से बच्चों का उत्साह बढ़ा और उन्हें भविष्य में और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिली। जलसे का मुख्य उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और धार्मिक एवं शैक्षिक गतिविधियों के प्रति रुचि पैदा करना रहा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मदरसा कमेटी के प्रयासों की प्रशंसा की। इस मौके पर मौलाना असलम करी नगर पंचायत ढकिया, मदरसा गुलशन-ए-मुस्तफा सदर सलाउद्दीन दरोगा जी, अलाउद्दीन साहब,मास्टर रईस अहमद, वकील मन्नान साहब, जुल्फिकार चेयरमैन साहब, शाहिद चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।



झुमके के शहर को मिली डिजिटल पहचान : बरेली में खुला देश का 75वां आईटी पार्क

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)जनपद के औद्योगिक और तकनीकी विकास को गुरुवार को नई उड़ान मिली। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने सीबीगंज में नवनिर्मित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के आईटी पार्क का विधिवत उद्घाटन किया। भारत का यह 75वां आईटी पार्क है, जो बरेली को सूचना प्रौद्योगिकी के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। मार्च 2024 में शिलान्यास के बाद दो एकड़ भूमि पर साढ़े 18 करोड़ रुपये की लागत से यह पार्क तैयार हुआ है। इसके शुरू होने से बरेली और आसपास के जिलों के तकनीकी युवाओं को अब नौकरी के लिए बड़े महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है परिसर- पार्क में आईटी कंपनियों और नए उद्यमियों के लिए डेटा सेंटर, इन्क्यूबेशन सेंटर, आधुनिक कार्यालय, कॉन्फ्रेंस हॉल, मीटिंग रूम और कैफेटेरिया जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की गई हैं। साझा कार्य सुविधाओं की मदद से युवा कम संसाधनों में भी अपने स्टार्टअप शुरू कर सकेंगे। इससे जिले में निवेश बढ़ेगा और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।?

उद्घाटन समारोह में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महापौर उमेश गौतम, विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल और मीरगंज विधायक डी.सी. वर्मा उपस्थित रहे।

कोई पात्र छूटे नहीं, अपात्र जुड़े नहीं

भोजीपुरा विधानसभा के बीएलओ व सुपरवाइजरों की बैठक में दिए निर्देश - डीएम

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली। (ब्यूरो)। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। आईएमए हॉल में आयोजित विधानसभा क्षेत्र 120 (भोजीपुरा) के सुपरवाइजर और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की समीक्षा बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की प्रगति जांचते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ घर-घर जाकर पात्र नागरिकों से अधिक से अधिक फॉर्म-6 भरवाएं। उन्होंने हिदायत दी कि पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे और किसी अपात्र का नाम सूची में शामिल न हो। साथ ही, सभी बीएलओ को जिले का ईपी रेशियो बढ़ाने के लिए सक्रियता से काम करने को कहा।

डीएम ने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और शिथिलता बरतने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम सदर इशिता किशोर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता गौतम सहित तमाम सुपरवाइजर व बीएलओ मौजूद रहे।

लखनऊ में कांग्रेस का संविधान रक्षा मार्च : पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा

@ क्यूँ न लिखूँ सच







बरेली। (ब्यूरो) वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लखनऊ में राज्य स्तरीय संविधान रक्षा मार्च का आयोजन किया। बरेली से जिला अध्यक्ष असफाक सकलैनी और महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इस मार्च में शिरकत की।

कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा के अनुसार, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा नेताओं द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को बाबा साहब का अपमान बताया। खड़गे ने कहा कि बाबा साहब देश के लिए पूजनीय हैं और संविधान निर्माण तथा समानता के लिए उनका संघर्ष सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी टिप्पणियां भाजपा नेताओं की मानसिकता को दर्शाती हैं।

मार्च के दौरान प्रशासन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया और पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। कांग्रेस प्रवक्ता ने शांतिपूर्ण मार्च को रोकने और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों के विपरीत बताया। इस राज्य स्तरीय मार्च में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा %मोना% और कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद मुख्य रूप से शामिल हुए। बरेली से प्रेम प्रकाश अग्रवाल, कृष्णकांत शर्मा, पूर्व विधायक नरेंद्र पाल गंगवार, उल्फत सिंह कठेरिया, अनीस सकलैनी, राम रतन शर्मा, पूर्व अध्यक्ष रामदेव पांडे और रमेश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीआई पार्क में गूंजा संविधान का संदेश, मंत्री व डीएम ने महापुरुषों को दी श्रद्धांजलि

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को लखनऊ स्थित लोक भवन से मुख्यमंत्री द्वारा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत प्रदेशभर के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। बरेली के प्रेमनगर स्थित सीआई पार्क में इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण आयोजित हुआ, जिसमें वन एवं पर्यावरण संरक्षण मंत्री डॉ. अरुण कुमार, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजन ने हिस्सा लिया।

प्रसारण के उपरांत मंत्री डॉ. अरुण कुमार और डीएम अविनाश सिंह ने सीआई पार्क में स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने संविधान के मूल आदर्शों- समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व-को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से संविधान निर्माता के विचारों को स्मरण करते हुए सामाजिक समरसता और समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

संविधान दिवस पर एसएसपी ने दिलाई शपथ

जनपद बदायूं में संविधान दिवस के अवसर पर एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराते हुए संविधान में निहित मूल्यों एवं आदर्शों के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ दिलाई गई इस अवसर पर उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना में निहित आदर्शों एवं मूल्यों का अनुसरण करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं निष्पक्षता से करने का संकल्प लिया कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, संविधान के प्रति सम्मान तथा लोकतांत्रिक आदर्शों के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।





संविधान के संरक्षण की अधिकारियों ने ली शपथ

बरेली। (ब्यूरो) एडीएम एफआर संतोष कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर डॉ भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी को संविधान की शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी अधिकारियों का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिये। सभी को प्रस्तावना में निहित मूल्यों के अनुसार आचरण का अनुपालन करने को कहा गया और संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों का सभी को अपने जीवन में अनुपालन करने की सलाह दी गयी।





नेताजी की स्मृति में जन चेतना पदयात्रा, सुभाषनगर से बदायूं रोड तक किया गया जनसंपर्क

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) श्रद्धेय नेताजी स्वर्गीय श्री मुलायम सिंह यादव जी की पुण्य स्मृति में आयोजित जन चेतना पदयात्रा% के चौथे दिन आज 125, बरेली कैंट विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। समाजवादी पार्टी की नेता नूतन शर्मा के नेतृत्व में यह पदयात्रा सुभाषनगर पुलिया से प्रारंभ होकर बाजपेई स्वीट्स होते हुए 84 घंटा मंदिर, बदायूं रोड तक निकाली गई। पदयात्रा के दौरान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं से संवाद स्थापित कर नेताजी के विचारों एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाया गया।

पदयात्रा के समापन के उपरांत पार्टी कार्यालय पर संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष श्री शुभलेश यादव जी की गरिमामयी उपस्थिति में समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय संविधान की रक्षा, इसकी गरिमा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ ग्रहण की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नूतन शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय नेताजी ने आजीवन शोषितों, वंचितों और आमजन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा, समाजवादी विचारधारा, सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान के सम्मान के प्रति हमारा संकल्प पूरी तरह अटूट है। संविधान ही देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार देता है, और इसकी रक्षा करना हम सभी का परम कर्तव्य है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, स्थानीय पदाधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ पदयात्रा और शपथ ग्रहण समारोह में सहभागिता की।

संविधान दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी और क्विज आयोजित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) 77 वे संविधान दिवस पर महाराणा प्रताप कॉलेज एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में संविधान विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने संविधान सभा के गठन से लेकर संविधान बनने और लागू होने तक की पूरी जानकारी पोस्टर्स के माध्यम से प्राप्त की। संविधान की संरचना पर विस्तृत जानकारी देते हुए डायरेक्टर यशवंत प्रताप सिंह राठौड़ द्वारा नागरिक कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को पहले अपने कर्तव्यों को ध्यान रखने और उनका पालन करने की सलाह दी। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के समन्वयक मनीष शुक्ल द्वारा संविधान विषय पर प्रोजेक्टर के माध्यम से कई शॉर्ट फिल्म और स्लाइड्स के द्वारा समाज में समरसता लाने हेतु प्रेरित किया और संविधान के विभिन्न विषयों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपने विचार भी रखे. सेमिनार का संयोजन कान्हा शर्मा, रक्षपाल यादव, सोनम राजपूत द्वारा किया गया, इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या श्रीमती अंजना सिंह, महक शर्मा, रचित तिवारी, साक्षी तिवारी सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित हुए।

नहर में पानी का प्रवाह रोके जाने एवं संबंधित कर्मचारियों द्वारा कार्रवाई न किए जाने के संबंध में एसडीओ को भी कई बार सूचित किया जा चुका

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) एमपी विदिशा जिला शमशाबाद संजय सागर नहर परियोजना का पानी टेल क्षेत्र में नहीं पहुंच पा रहा, नहर विभाग अधिकारी नाकामयाब पानी पहुंचाने में। सेहू और निपानिया ,मुडरा पीतांबर के बीच, बी-1 के पास मुख्य नहर में टीन लगा दी गई है, जिसके कारण बेलानारा की ओर पानी नहीं पहुँच पा रहा है। इस समस्या को दो दिन हो चुके हैं, लेकिन नहर के पटवारी साहब एवं तीनों चौकीदारों में से कोई भी मौके पर नहीं पहुँचा है और न ही अब तक कोई उचित कार्रवाई की गई है।

इस कारण किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संबंधित कर्मचारी को को सूचित किया जाता है जहां निचले स्तर पर किसानों को पानी नहीं मिल रहा वह किसान बार-बार जानकारी दे रहे हैं संबंधितों को लेकिन समस्या का हाल नहीं हो पा रहा नहर में आगे पानी नहीं पहुंच रहा जिससे किसान विशेष प्रताड़ित हो रहा है अन्नदाता प्रभावित किसानों के नाम- 1. पूरन सिंह रघुवंशी - बेलानारा 2. बीर सिंह रघुवंशी - रायपुर 3. गोविंद रघुवंशी - खेराई 4. बृजेश रघुवंशी - रायपुर 5. राजेंद्र रघुवंशी - रायपुर 6. खुमान सिंह रघुवंशी - रायपुर7 . महेंद्र सिंह रघुवंशी - रायपुर 8. सौभाग्य सिंह रघुवंशी - खेराई 9- हिम्मत सिंह रघुवंशी खैराई 10- विक्रम रघुवंशी, खैराई , ताज खजुरी,घिनोचि,घटबाई, आदि ग्रामों के सैकड़ो किसान ग्रामीण नहर के पानी से सभी वंचित हैं जो अगले साल इन सभी ग्रामों के लोगों को समय पर पूरा पानी मिला था इस वर्ष एक माह गुजर रहा नहर चलते लेकिन अभी तक नई सफाई हुई नहीं पानी मिल रहा सभी ग्रामीण के किसानो मैं आक्रोश किसानों में आपसी विवाद की स्थिति बनी हुई है नहर विभाग तमाशा देख रहा है।

अत: संबंधित अधिकारियों से निवेदन है कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर पहुँचकर नहर में लगाए गए टीन को हटवाया जाए तथा बेलानारा की ओर पानी का सुचारु प्रवाह सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए समय पर पानी मिल सके।

संजय सागर नहर परियोजना में पानी की बंदरबांट? मुख्य नहर में टीन लगाकर रोका प्रवाह, टेल क्षेत्र के सैकड़ों किसान बूंद-बूंद पानी को मोहताज

@ क्यूँ न लिखूँ सच

विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) विदिशा/शमशाबाद किसानों की आय दोगुनी करने, खेती को मजबूत बनाने और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के सरकारी दावों की जमीनी हकीकत शमशाबाद क्षेत्र की संजय सागर नहर परियोजना में दिखाई दे रही है। यहां नहर में पानी तो छोड़ा जा रहा है, लेकिन उसका लाभ अंतिम छोर पर बैठे किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा। नहर के पानी पर निर्भर सैकड़ों किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए परेशान हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि मुख्य नहर में कथित रूप से टीन लगाकर पानी का प्रवाह बाधित कर दिया गया है, लेकिन शिकायतों के बावजूद संबंधित विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी कार्रवाई करने मौके पर नहीं पहुंच रहे हैं।

विदिशा जिले के शमशाबाद क्षेत्र में संजय सागर नहर परियोजना से जुड़े बेलानारा, रायपुर, खेराई, ताज खजुरी, घिनोची, घटबाई सहित आसपास के गांवों के किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि इस वर्ष नहर को चलते हुए लगभग एक माह गुजर चुका है, लेकिन इसके बावजूद टेल क्षेत्र तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा। सेहू और निपानिया, मुडरा पीतांबर के बीच बी-1 के पास मुख्य नहर में टीन लगाए जाने के कारण बेलानारा की ओर पानी का प्रवाह प्रभावित हो गया है।

किसानों के अनुसार इस समस्या को दो दिन से अधिक समय हो चुका है। संबंधित अधिकारियों को बार-बार सूचना दी गई, एसडीओ को भी कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक न तो समस्या का स्थायी समाधान हुआ और न ही संबंधित कर्मचारियों की प्रभावी कार्रवाई दिखाई दी। ऐसे में किसानों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर विभाग किसकी प्रतीक्षा कर रहा है? क्या किसानों की फसलें सूखने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचेंगे? मुख्य नहर में टीन लगाने वाला कौन, किसके इशारे पर रोका गया पानी? इस पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर पहलू मुख्य नहर में टीन लगाए जाने का है। आखिर किस व्यक्ति ने मुख्य नहर में टीन लगाकर पानी का रास्ता बाधित किया? क्या यह काम विभाग की अनुमति से हुआ है या किसी ने अपनी मनमर्जी से सार्वजनिक नहर के प्रवाह को रोक दिया? यदि किसी व्यक्ति ने अपने निजी हित के लिए ऐसा किया है तो उसके विरुद्ध अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

नहर किसी एक गांव, व्यक्ति या खेत की निजी संपत्ति नहीं है। यह सार्वजनिक सिंचाई व्यवस्था का हिस्सा है, जिससे निर्धारित क्षेत्र के किसानों को पानी मिलना चाहिए। यदि मुख्य नहर में अवरोध पैदा कर पानी को आगे जाने से रोका जा रहा है तो इसका सीधा नुकसान उन किसानों को उठाना पड़ रहा है जो नहर के अंतिम छोर पर बसे हैं।

विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि टीन लगाने की अनुमति किसने दी, पानी का प्रवाह किस आधार पर रोका गया और इस अवरोध को हटाने में इतनी देरी क्यों की जा रही है। यदि यह अवैध रूप से किया गया है तो संबंधित व्यक्ति की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

आखिर किसी एक व्यक्ति की मनमानी के सामने सैकड़ों किसानों के खेतों का पानी क्यों रोका जाए?

एसडीओ को बार-बार सूचना, फिर भी कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा- किसानों का आरोप है कि नहर में पानी का प्रवाह बाधित होने और टेल क्षेत्र तक पानी नहीं पहुंचने की जानकारी एसडीओ को कई बार दी जा चुकी है। इसके बावजूद किसानों को राहत नहीं मिली। जब विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को समस्या की जानकारी है तो फिर मौके पर निरीक्षण कर अवरोध हटवाने की कार्रवाई क्यों नहीं की गई? किसान अपनी समस्या लेकर अधिकारियों तक पहुंच रहे हैं, फोन के माध्यम से जानकारी दे रहे हैं और लगातार पानी की मांग कर रहे हैं। इसके बाद भी यदि कार्रवाई नहीं होती तो यह विभागीय संवेदनशीलता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

किसानों को यह समझ नहीं आ रहा कि उनकी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए कितने दिन और इंतजार करना पड़ेगा। खेती में पानी की जरूरत किसी सरकारी कार्यालय की फाइल की तरह टाली नहीं जा सकती। सिंचाई का समय निकल जाने के बाद कार्रवाई का कोई विशेष लाभ नहीं रह जाता। पटवारी साहब और तीन चौकीदारों की जिम्मेदारी आखिर क्या है? नहर की निगरानी के लिए नहर विभाग द्वारा कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। किसानों के अनुसार नहर के पटवारी साहब और तीनों चौकीदारों को भी समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन कोई भी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर अवरोध हटवाने की कार्रवाई नहीं कर सका।

यहां सवाल उठता है कि जब नहर में पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है, किसान परेशान हैं और शिकायतें लगातार मिल रही हैं तो संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी क्या है? क्या नहर की निगरानी केवल कागजों में की जा रही है? क्या कर्मचारियों का काम सिर्फ अपनी ड्यूटी पूरी करना है या किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराने में सहयोग करना भी उनकी जिम्मेदारी है?

यदि कर्मचारियों को सूचना मिलने के बाद भी उन्होंने मौके पर पहुंचना जरूरी नहीं समझा तो उनकी भूमिका की विभागीय जांच होनी चाहिए। संबंधित अधिकारियों को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि नहर की निगरानी किसके जिम्मे है और शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की समयसीमा क्या निर्धारित है। एक माह से नहर चलने का दावा, लेकिन टेल क्षेत्र के किसान आज भी प्यासे- किसानों का कहना है कि इस वर्ष नहर को चलते हुए लगभग एक माह हो चुका है, लेकिन कई गांवों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा। पिछले वर्ष इन्हीं गांवों के किसानों को समय पर पानी उपलब्ध हुआ था, लेकिन इस बार व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित दिखाई दे रही है।

किसानों ने नहर की समय पर सफाई नहीं होने की शिकायत भी की है। यदि नहर की सफाई समय पर नहीं कराई गई और जगह-जगह अवरोध मौजूद हैं तो पानी का प्रवाह प्रभावित होना स्वाभाविक है। विभाग को यह बताना चाहिए कि इस वर्ष नहर की सफाई कब कराई गई, कितने कर्मचारियों की निगरानी में कराई गई और सफाई के बाद पानी के प्रवाह का परीक्षण किसने किया?

नहर का पानी मुख्य स्थान से आगे बढ़कर प्रत्येक निर्धारित क्षेत्र तक पहुंचे, इसकी निगरानी करना विभाग का दायित्व है। केवल नहर में पानी छोड़कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेना किसानों के साथ न्याय नहीं है। बेलानारा, रायपुर, खेराई सहित कई गांवों के सैकड़ों किसानों की परेशानी- नहर के पानी का प्रवाह प्रभावित होने से बेलानारा, रायपुर, खेराई, ताज खजुरी, घिनोची, घटबाई सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रभावित किसानों में पूरन सिंह रघुवंशी निवासी बेलानारा, बीर सिंह रघुवंशी निवासी रायपुर, गोविंद रघुवंशी निवासी खेराई, बृजेश रघुवंशी निवासी रायपुर, राजेंद्र रघुवंशी निवासी रायपुर, खुमान सिंह रघुवंशी निवासी रायपुर, महेंद्र सिंह रघुवंशी निवासी रायपुर, सौभाग्य सिंह रघुवंशी निवासी खेराई, हिम्मत सिंह रघुवंशी निवासी खेराई और विक्रम रघुवंशी निवासी खेराई सहित अनेक किसान शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून की प्रेमिका, एलम का प्रेमी, शादी की मांग को लेकर पंचायत, पल्ला पसारकर मांगा इंसाफ

युवती ने प्रेमी से शादी की जिद पर एलम में डेरा डाल दिया है। उसके पक्ष में स्थानीय गणमान्य लोगों ने पंचायत की, जिसमें प्रेमी के परिजनों को भी बुलाया गया, लेकिन वे नहीं आए। इसे लेकर लोगों की उनसे नोकझोंक भी हो गई। प्रेम प्रसंग और शादी की मांग को लेकर चल रहा विवाद बृहस्पतिवार को एलम कस्बे में पंचायत तक पहुंच गया। देहरादून निवासी युवती ने ग्रामीणों के बीच पल्ला पसारकर प्रेमी से शादी कराने की गुहार लगाई। पंचायत में मौजूद ग्रामीणों ने युवती की मांग का समर्थन करते हुए मामले का समाधान कराने की बात कही। वहीं, युवक के परिजनों ने पंचायत में आने से इंकार कर दिया। इसके बाद लोग युवक के घर पहुंच गए, जहां दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हुई। समाधान नहीं निकलने पर क्षेत्रीय महापंचायत बुलाने का निर्णय लिया गया।कस्बा एलम में अमरपाल नेता की अध्यक्षता में हुई पंचायत में युवती ने अपनी बात रखते हुए प्रेमी से शादी कराने की मांग उठाई। युवती ने कहा कि उसे इंसाफ चाहिए और जब तक शादी नहीं होगी, वह एलम में ही रहेगी। पंचायत में मौजूद लोगों ने युवक के परिवार से बातचीत कर मामले को सुलझाने का प्रयास किया। इसके लिए पांच लोगों का प्रतिनिधिमंडल युवक के परिजनों को बुलाने पहुंचा, लेकिन उन्होंने पंचायत में आने से इंकार कर दिया।परिजनों के नहीं पहुंचने पर पंचायत में शामिल लोग युवक के घर पहुंच गए। वहां परिवार की महिलाओं और युवती व पंचायत में शामिल लोगों के बीच नोकझोंक हो गई। इसके बाद पंचायत में दोबारा चर्चा हुई। ग्रामीणों ने युवती की मांग का समर्थन करते हुए युवक से शादी कराने की बात कही। निर्णय लिया गया कि यदि आपसी बातचीत से समाधान नहीं निकलता है तो क्षेत्रीय महापंचायत बुलाई जाएगी। पंचायत में सैकड़ों लोग मौजूद रहे। घटना के बाद से कस्बे और आसपास के क्षेत्र में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामला देहरादून का है। वहां की पुलिस इसकी जांच कर रही है।



सरकार आने पर गन्ना किसानों का 24 घंटे में भुगतान करेगी सपा, सरकारी ठेकों में भी लागू होगा आरक्षण का नियम

सपा के चुनावी घोषणा पत्र में किसानों को लेकर कई वादे देखने को मिले। सपा की सरकार आने पर सरकारी ठेकों में भी आरक्षण का नियम लागू होगा।समाजवादी पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में सामाजिक न्याय, दलित-पीडीए कल्याण, महिला सशक्तिकरण और खेती-किसानी से जुड़े कई बड़े वादे किए गए हैं।

दस्तावेज के मुताबिक, पार्टी ने सत्ता में आने पर गांवों की तस्वीर बदलने, किसानों को कर्ज व बिजली की राहत देने और हाशिए पर खड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने का खाका रखा है। 50 करोड़ तक के सरकारी ठेकों में दलित-पीडीए को 50त्न हिस्सा- घोषणा पत्र में सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए 50 करोड़ रुपये तक के सरकारी ठेकों में दलित और पीडीए समाज के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण तय करने की बात कही गई है। साथ ही दलित उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए दलित स्टार्ट-अप फंड बनाने और मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दलित विकास परिषद के गठन का वादा शामिल है। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति के लिए अलग बोर्ड, अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के कल्याण के लिए बोर्ड, संविधान के अनुसार आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू करने और सरकारी नौकरियों में बैकलॉग पद भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने की बात कही गई है।

कृषि और ग्रामीण विकास के मोर्चे पर सपा ने सभी 23 फसलों और दूध के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। एमएसपी से बाहर रहने वाली आलू, टमाटर, प्याज और अन्य अधिसूचित फसलों के लिए मूल्य क्षतिपूर्ति व्यवस्था बनाने की बात भी कही गई है। किसानों की कर्ज माफी तुरंत लागू करने, 15 हजार करोड़ रुपये के कॉर्पस फंड से 24 घंटे के भीतर गन्ना भुगतान सुनिश्चित करने और हर साल लागत के हिसाब से गन्ने का दाम बढ़ाने का वादा किया गया है। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा भी इसमें शामिल है।महिला-केंद्रित विकास के हिस्से में स्त्री और पुरुष की समान क्षमता, स्वतंत्रता और अधिकारों पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जैसे पुरुष अपने कार्यक्षेत्र में सर्वोच्च स्थान के हकदार हैं, वैसे ही महिलाएं भी समान रूप से उस स्थान की अधिकारी हैं, और सामाजिक कुरीतियों व असमानता को दूर किए बिना कोई भी आंदोलन पूरा नहीं हो सकता।

27 नवंबर को शिवपुरी से निकलेगी समरसता संकल्प यात्रा, गुरु रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का होगा प्रयास

@ क्यूँ न लिखूँ सच



भाजपा प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा ने की मोदी सरकार के कार्यों की सराहना, बोले- सामाजिक समानता और सर्वकल्याण के संकल्प को साकार कर रही सरकार शिवपुरी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा का शुभारंभ 27 नवंबर को शिवपुरी से होगा। शुक्रवार को प्रात: 10 बजे राजेश्वरी मंदिर से यात्रा प्रारंभ होगी। इसे लेकर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा ने यात्रा के उद्देश्य एवं आयोजन की जानकारी दी। इस दौरान धैर्यवर्धन शर्मा ने संत रविदास जी के विचारों को सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण का आधार बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी ने ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां किसी के साथ भेदभाव न हो और सभी को समान सम्मान एवं अवसर प्राप्त हों।उन्होंने संत रविदास जी के प्रसिद्ध दोहे ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न॥ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोहा समतामूलक और कल्याणकारी समाज की परिकल्पना को दर्शाता है। केंद्र सरकार गरीब कल्याण, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि समरसता संकल्प यात्रा का शुभारंभ शिवपुरी जिले से किया जा रहा है। यात्रा के संयोजक भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर तथा सह-संयोजक भाजपा जिला महामंत्री योगेंद्र रघुवंशी हैं। शुभारंभ अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव सहित पार्टी के जिला एवं मंडल पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहेंगे।

धैर्यवर्धन शर्मा ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य गुरु रविदास जी के सामाजिक सद्भाव, समानता, भाईचारे और मानव कल्याण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने नागरिकों एवं सामाजिक बंधुओं से यात्रा में शामिल होकर सामाजिक समरसता के संकल्प को मजबूत बनाने की अपील की।

मंगलम वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण, योग और आयुष उपचार से दिया स्वस्थ रहने का संदेश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत आयोजित हुआ शिविर, वरिष्ठजनों को चिकित्सकीय परामर्श के साथ सिखाए योगासन और प्राणायाम शिवपुरी। वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए गुरुवार को मंगलम वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत आयुष विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में बुजुर्गों को स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, आयुष उपचार और योगाभ्यास का लाभ दिया गया। शिविर में वरिष्ठजनों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर जोड़ों एवं मांसपेशियों की जकड़न, शारीरिक दर्द, चलने-फिरने में परेशानी, तनाव और नींद संबंधी समस्याओं को लेकर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही आवश्यकतानुसार आयुष उपचार एवं थेरेपी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में बुजुर्गों की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरल एवं सुरक्षित योगासन, सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, श्वसन अभ्यास और विश्राम की तकनीकों का अभ्यास कराया गया।

विशेषज्ञों ने नियमित योग और उचित दिनचर्या के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर आयुष विभाग की ओर से आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी पाराशर, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल दंडोतिया एवं डॉ. संध्या जैन, सरिता माहौर तथा दवासाज घनश्याम जाटव और राजेश खरे उपस्थित रहे।

वहीं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से सामाजिक सुरक्षा अधिकारी लवकेश पाराशर एवं उदयेंद्र राजपूत मौजूद रहे।

संविधान लोकतंत्र की आत्मा, इसके मूल्यों को जीवन में आत्मसात करना जरूरी : प्रधान जिला न्यायाधीश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



संविधान दिवस पर जिला अभिभाषक संघ सभागार में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, विधिक साक्षरता शिविर भी हुआ आयोजित शिवपुरी। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला अभिभाषक संघ शिवपुरी के सभागार में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कौशलेन्द्र सिंह भदौरिया ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया। इस दौरान सभी ने संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी ने कहा कि संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। संविधान में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों के साथ सामाजिक न्याय एवं समानता के आदर्श समाहित हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए संविधान के नियमों का पालन करना चाहिए।कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश अशोक कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश संजय श्रीवास्तव, पंचम जिला न्यायाधीश अरुण कुमार सिंह, षष्ठम जिला न्यायाधीश राजीव राव गौतम, तृतीय जिला न्यायाधीश दिनेश कुमार शर्मा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रंजना चतुर्वेदी सहित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रीति परिहार, प्रत्यक्षा कुलेश एवं धर्मवीर सिंह राठौर उपस्थित रहे।इसके अलावा जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष विजय तिवारी, अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता, न्यायालयीन कर्मचारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

संविधान दिवस पर आंबेडकर पार्कों में जनप्रतिनिधियों ने किया शिलान्यास व पूजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूँ में संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति विकास योजनान्तर्गत जनपद में विधानसभावार चयनित छह स्थलों पर शिलान्यास एवं पूजन कार्यक्रम धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक संपन्न हुए। आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर चयनित स्थलों पर विकास कार्यों का शिलान्यास कर संविधान के मूल्यों, सामाजिक समरसता एवं समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लखनऊ स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ, जिसका सजीव प्रसारण जनपद में विधानसभावार आयोजित कार्यक्रमों में दिखाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशभर में योजना के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया।

जनपद की विधानसभा दातागंज के विकासखंड समरेर के ग्राम कमां में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक अतेन्द्र विक्रम सिंह, विधानसभा सदर के विकासखंड वजीरगंज के ग्राम धर्मपुर में सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता, विधानसभा बिल्सी के विकासखंड अम्बियापुर के ग्राम रम नगला में बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, विधानसभा शेखूपुर के विकासखंड जगत के ग्राम हयात नगर में पूर्व शेखूपुर विधायक धर्मेन्द्र शाक्य, विधानसभा सहसवान के विकासखंड अम्बियापुर के ग्राम बेहटा गुसाईं छोलायन में शारदेंदु पाठक तथा विधानसभा बिसौली के विकासखंड इस्लामनगर के ग्राम भुसाया में आयोजित कार्यक्रम में बिसौली विधायक आशुतोष मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने डॉ0 भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों को समान अधिकार दिलाने और सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने के लिए आजीवन संघर्ष किया। बाबा साहब का जीवन शिक्षा, समानता, सामाजिक न्याय और आत्मसम्मान का संदेश देता है। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने तथा संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं। संविधान में निहित मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से संविधान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रमों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए सतेन्द्र कुमार, जिला विकास अधिकारी मनोज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी याबर अब्बास, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी प्रणव पाठक, जिला समाज कल्याण अधिकारी मीनाक्षी वर्मा, समाज कल्याण विभाग के सहायक प्रबंधक संतोष कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मेला देखकर लौट रहे डी-फार्मा छात्र का सड़क किनारे मिला शव, मौत की गुत्थी उलझी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) रामगंगा मेला देखकर घर लौट रहे डी-फार्मा के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। देर रात वह लाल फाटक के पास सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ा मिला। हैरानी की बात यह थी कि उसकी मोटरसाइकिल भी पास में खड़ी थी। राहगीरों से सूचना मिलने पर पहुंचे परिजन उसे आनन-फानन जिला अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत हादसे में हुई या इसके पीछे कोई दूसरी वजह है, फिलहाल यह पहेली बनी हुई है।

दोस्तों के साथ गया था मेला देखने-थाना सुभाषनगर क्षेत्र की रामा आश्रम कॉलोनी निवासी 27 वर्षीय अंशित कुमार सक्सेना डी-फार्मा का छात्र था। उसके पिता अमित कुमार सक्सेना के मुताबिक, बुधवार शाम करीब नौ बजे अंशित मोटरसाइकिल से रामगंगा मेला देखने गया था। उसके साथ तीन-चार दोस्त भी थे। रात करीब 11 बजे मेला देखने के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान लाल फाटक के पास आर्या अस्पताल के नजदीक वह संदिग्ध हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला।

अंशित की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हादसा हुआ तो बाइक पास में खड़ी कैसे मिली? वह सड़क किनारे किस हालत में पहुंचा? उसके साथ मेला देखने गए दोस्तों को इस बारे में क्या जानकारी है? फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने नहीं आए हैं। पिता ने बेटे के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

अल्लापुर में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, घर से 200 मीटर दूर हुई वारदात से सनसनी

जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर में बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात घर से महज 200 मीटर दूर एक सैलून में हुई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय अरविंद भारतीय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक साल पहले दशहरे के दिन हुए हत्याकांड में मुख्य गवाह था।अल्लापुर निवासी अरविंद भारतीय (30) प्रॉपर्टी डीलर था। बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे वह घर से लगभग 200 मीटर दूर स्थित एक सैलून में था। इसी दौरान उसे गोली मार दी गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। कि अरविंद एक साल पहले दशहरे के दिन हुई हत्या के मामले में मुख्य गवाह था।

संक्षिप्त समाचार

मुकदमा वापस लो, वरना वीडियो कर दूंगा वायरल; युवती को मिली धमकी

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर)हरदुआगंज थाना क्षेत्र में पहले दर्ज कराई गई प्राथमिकी वापस लेने का दबाव बनाते हुए युवती से छेड़छाड़ और वीडियो वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी फर्जी आईडी बनाकर अश्लील और धमकी भरे संदेश भी भेज रहा है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, पीड़िता की मां ने 12 जुलाई 2025 को करन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि 19 अक्टूबर 2026 को शाम करीब छह बजे युवती परिवार के एक सदस्य की दुकान पर जा रही थी। तभी रास्ते में करन ने उसे रोककर गाली-गलौज और छेड़छाड़ की। साथ ही मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया और बात न मानने पर वीडियो वायरल करने तथा परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी फर्जी आईडी के जरिए अन्य लोगों से अश्लील और धमकी भरे संदेश भिजवा रहा है। इससे युवती और उसका परिवार डरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पिता की चिता ठंडी हुई तो बेटे के मुंडन पर पानी को लेकर हुआ विवाद

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ गंगीरी नगला खार गांव में पिता के अंतिम संस्कार के बाद बेटे के मुंडन के लिए दो बाल्टी पानी मांगने पर बिजलीघर के कर्मचारियों पर अभद्रता करने का आरोप लगा है। घटना से नाराज भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बिजलीघर का घेराव कर धरना दिया। जेई के माफी मांगने के बाद करीब तीन घंटे में धरना समाप्त हुआ। भाकियू कार्यकर्ता राहुल कुमार के अनुसार, गांव निवासी गंगा सिंह का 18 नवंबर को निधन हो गया था। रात करीब आठ बजे अंतिम संस्कार के बाद उनके बेटे का मुंडन कराने के लिए बिजलीघर के सबमर्सिबल से दो बाल्टी पानी मांगा गया। आरोप है कि कर्मचारियों ने पानी देने के बजाय अभद्रता की। इसके विरोध में सुबह करीब दस बजे प्रदेश उपाध्यक्ष राम औतार यादव और जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बिजलीघर के गेट पर धरना शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे अवर अभियंता दीपक कुमार सिंह ने कर्मचारियों की ओर से माफी मांगी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने धरना समाप्त कर दिया।

पत्नी गई थी मायके, पीछे घर में फंदे पर लटका मिला युवक

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ टप्पल थाना क्षेत्र के राघवगढ़ी गांव में सुबह एक युवक का शव उसके कमरे में लोहे के गर्डर से रस्सी के सहारे लटका मिला। सुबह पिता कमरे में पहुंचे तो बेटे का शव देखकर चीख पड़े। उधर, सूचना पर पहुंचे मृतक के साले ने मौत पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। राघवगढ़ी निवासी नेकराम की पत्नी सरिता चचेरी बहन की शादी में शामिल होने मायके करावली (मुरसान, हाथरस) गई हुई थी। घर पर नेकराम के वृद्ध माता-पिता थे। परिजनों के अनुसार, रात किसी समय नेकराम ने कमरे में फंदा लगा लिया। सुबह पिता ने शव देखा तो उनकी चीख सुनकर मां और पड़ोसी मौके पर पहुंच गए। मृतक के साले ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर हत्या की आशंका जताई। सूचना पर चौकी प्रभारी मृणाल गुप्ता पहुंचे और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। नेकराम के चार वर्ष और आठ माह के दो बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार, वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था और हरियाणा के एक चिकित्सालय में उसका उपचार चल रहा था।

शिकायत निस्तारण के बाद फरियादियों से पूछेंगे, संतुष्ट हैं या नहीं

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ सरकारी कार्यालयों में जनशिकायतों के निस्तारण के नाम पर अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं चलेगी। अलीगढ़ मंडलायुक्त ओपी आर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक शिकायत का पहली बार में ही प्रभावी समाधान किया जाए। निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से यह भी पूछा जाए कि वह कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं। मंडलायुक्त प्रतिदिन सुबह 10 बजे अपने कार्यालय में जनता दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अलीगढ़, एटा, कासगंज और हाथरस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। फरियादियों को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका असर धरातल पर भी दिखाई देना चाहिए। अधिकारियों को शिकायतकर्ता की संतुष्टि को भी निस्तारण का महत्वपूर्ण आधार बनाने के निर्देश दिए।

More than half of women in the country suffer from anemia, two-thirds of teenagers are vitamin B12 deficient; ICMR survey shocks.

If you also think that the nutritional problem in India is only related to iron deficiency, then this new report from ICMR will change your mind. When more than 1.7 lakh blood samples were tested in 183 districts across the country, the truth that emerged is truly shocking. It is often believed that the biggest nutritional problem in India is iron deficiency, but a new national survey by the Indian Council of Medical Research (ICMR) has changed the entire picture. According to this survey, more than half of women aged 15 to 49 in India suffer from anemia. And if you think this challenge is limited to this, then the next statistic will surprise you even more. Yes, nearly two-thirds of teenagers in the country suffer from vitamin B12 deficiency. It is clear from this that this nutritional problem facing India is much bigger than just iron deficiency. Severe deficiency of Vitamin B12 in teenagers and youth - The most shocking part of this report is related to teenagers. Vitamin B12 deficiency has been seen most in people of this age. According to the data, 66.1% teenage boys and 65.4% teenage girls were found to have low levels of Vitamin B12. This problem is not limited to teenagers only. 60.4% men between 20 to 59 years and 57.4% women between 15 to 49 years are also affected by it. Apart from this, Vitamin B12 deficiency has also been reported in 63.1% pregnant women and 51.8% lactating mothers. Condition of women to children - According to the 'Sampada' survey (2023-25) of ICMR-National Institute of Nutrition, 55.9% of women aged 15 to 49 who are neither pregnant nor lactating are suffering from anaemia. There is a lot of difference in the situation if seen according to the states. This problem is most serious in Andaman and Nicobar, where 81.2% women in this group are suffering from anaemia. The prevalence of anaemia in other age groups in the country was as follows: Breastfeeding women: 58.1% Girls aged 10 to 19: 46.3% Pregnant women: 43.6% Children aged 12 to 59 months: 41.8% Children aged 5 to 9: 31.3% Boys aged 10 to 19: 22.8% Men aged 20 to 59: 22% Is iron deficiency the only cause of anaemia? The survey also cleared a major misconception. Despite the high incidence of anaemia among girls aged 10 to 19 (46.3%) and women aged 15 to 49 (55.9%), only 27% of these cases were found to be associated with iron deficiency. However, when viewed separately, iron deficiency still exists in a large number of people. Iron deficiency was found in 36.3% of adolescent girls, 34.1% of women aged 15 to 49, 29.6% of pregnant women, and 23% of children aged 12 to 59 months. This figure was 10% for adolescent boys. It should be noted that not every anemia is caused by iron, vitamin B12, or folate deficiencies. Diseases like thalassemia, sickle cell disease, aplastic anemia, chronic kidney disease, tuberculosis, and cancer can also cause anemia. Therefore, simply giving iron supplements to such patients is of no use. Why is this survey so important? When the fact sheets for NFHS-6 were released earlier this year, they did not include data on anemia. The government had then announced that the ICMR would conduct a separate survey, which would involve collecting blood samples from veins and testing them. This survey has now filled that gap. Previously, in NFHS-5, anemia was found in 57% of women aged 15 to 49. However, these two reports cannot be directly compared, as the methods of testing and the groups of women included differed. This large national survey covered 183 districts across 35 states and union territories. It collected data from over 81,000 households, covered over 200,000 people, and tested over 1.7 lakh blood samples.



Kakadu plums are a new skincare superfood, containing many times more vitamin C than oranges.

These days, reducing the effects of aging and maintaining naturally glowing skin has become everyone's desire. Instead of expensive products and treatments, people are increasingly turning to natural ingredients. One such superfood is the Kakadu plum, which is considered a boon for the skin. Regular use can help you achieve radiant and youthful skin without chemicals. Let's learn more about it. What is the Kakadu plum? - Kakadu plums are a small fruit native to Australia. They are considered the world's richest natural source of vitamin C. They contain many times more vitamin C than oranges, antioxidants, and essential nutrients that repair and protect the skin. This is why it's being used in many skincare products these days. Anti-aging and skin benefits of Kakadu plum - Reduces wrinkles by increasing collagen - The high vitamin C content in the Kakadu plums increases collagen production in the skin, keeping it tight and firm. This gradually reduces fine lines and wrinkles. Gives skin a natural glow - Its antioxidants detoxify the skin and make it healthy from within. This leaves the face looking clean, fresh, and naturally glowing. Beneficial for pigmentation and dark spots - It helps even out skin tone. It reduces blemishes, tanning, and pigmentation, leaving the skin clear and radiant. Protects against free radicals - Environmental pollution and sun rays damage the skin. The antioxidants in Kakadu plums fight free radicals and protect the skin from premature aging. Keeps skin hydrated and soft - It helps retain moisture in the skin, preventing dryness and keeping it soft and smooth for a long time. Helpful for acne and skin infections - Its antibacterial properties help reduce pimples and skin infections. It leaves skin clear and healthy. How to use Kakadu plum - Make a face pack by mixing Kakadu plum powder with rose water. Use a serum or moisturizer containing its extract. Using it 2-3 times a week gives better results.



Is your body deficient in vitamin D? Besides sunlight, these 7 superfoods can help you quickly alleviate your problem.

In addition to sunlight, many foods are also good sources of vitamin D. Vitamin D is considered an essential nutrient for maintaining a healthy and strong body. It not only strengthens bones but also helps boost immunity, strengthens muscles, and improves mood. Therefore, people often talk about getting vitamin D from sunlight, as it is the best source. However, some healthy foods can also be good sources and can significantly address vitamin D deficiency in the body. Let's learn about some such healthy foods rich in vitamin D. Vitamin D-Rich Foods - Fatty Fish - Fatty fish like salmon, tuna, and mackerel are considered the best sources of vitamin D. They also contain abundant amounts of omega-3 fatty acids, which are beneficial for the heart and brain. Including these in your diet 1-2 times a week provides the body with essential nutrients. Egg Yolks - Egg yolks naturally contain vitamin D. Including a boiled egg or omelet in your breakfast provides the body with energy and essential nutrients. Milk and Dairy Products - Dairy products like milk, yogurt, and cheese contain both vitamin D and calcium. These strengthen bones and teeth. Therefore, drinking a glass of milk daily is considered beneficial for the body. Mushrooms - Mushrooms are one of the few vegetarian foods rich in vitamin D. Mushrooms kept in the sun increase their levels. They can be eaten as a vegetable, soup, or salad. Fortified Cereals - Vitamin D is added to many breakfast cereals these days. This is a good option for those looking for a quick and healthy breakfast. Orange Juice - Some packaged orange juices are fortified with vitamin D and calcium. This helps keep the body hydrated and also boosts immunity. Soy Products - Soy products like soy milk and tofu are also good sources of vitamin D, especially for vegetarians. They are also rich in protein and help provide strength. Cod Liver Oil - Cod liver oil is an excellent source of vitamin D and vitamin A. Even a small amount can meet the body's needs.



Hanuman Ansh is releasing not just on Sony Liv, but on this OTT platform as well. It will stream in five languages ??starting November 29th.

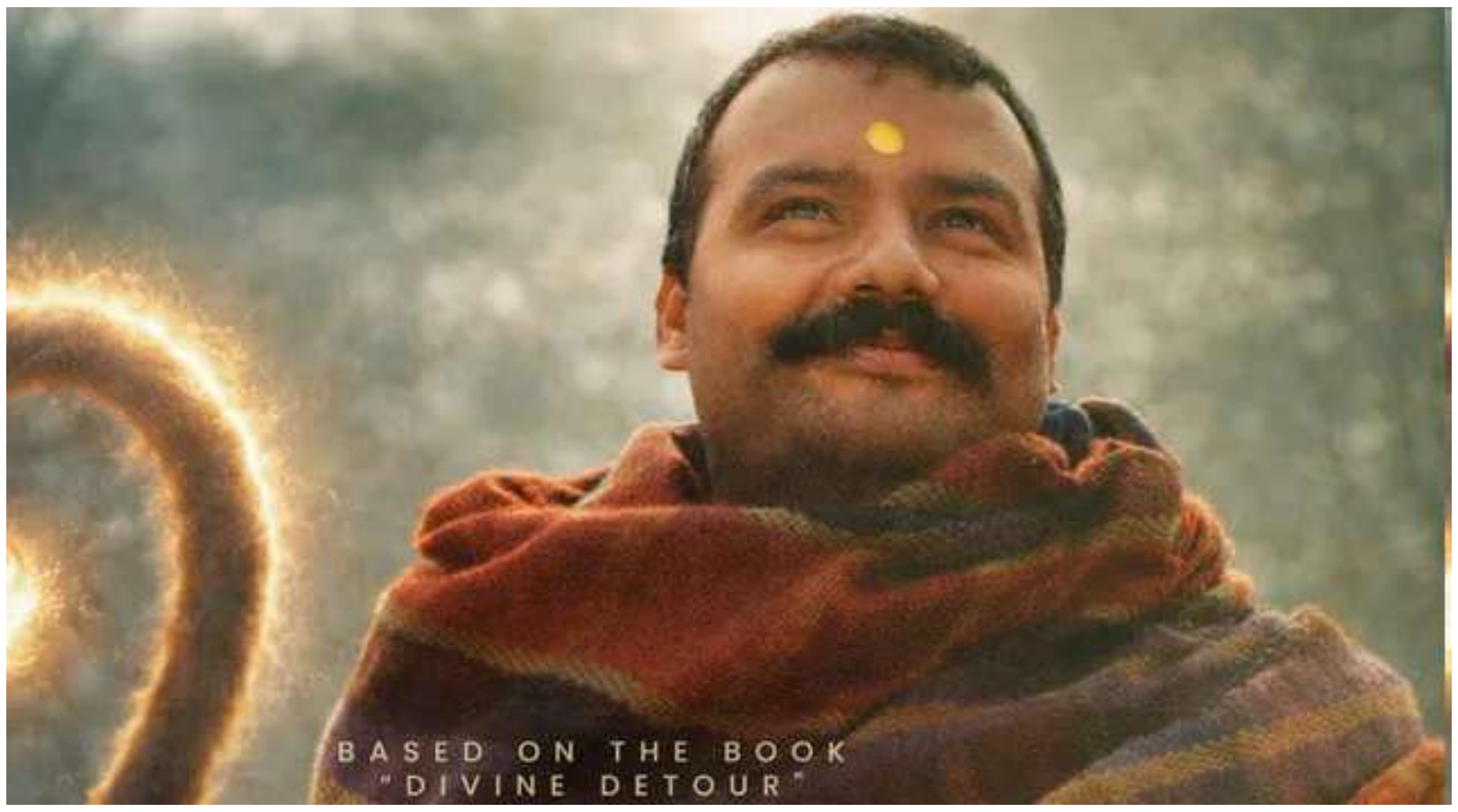

Hanuman Ansh, which grossed ?400 crore, is set to release on not one but two OTT platforms. Hanuman Ansh will be released on two OTT platforms; it is being released in different languages. Hanuman Ansh earned ?400 crore. The devotional film Hanuman Ansh, which was previously denied any OTT platform, is now being released on two OTT platforms. After achieving box office success, the film is releasing on Sony Liv and is now set to stream on another OTT platform. Hanuman Ansh, based on Neem Karoli Baba, was released in theaters on August 7th. Initially, the film did not do well at the box office. However, it later achieved such a strong box office success that it earned 250 times more than its original box office. Hanuman Ansh will be released on two OTT platforms - Hanuman Ansh is coming to the OTT platform Sony Liv from November 27th. It was announced a month ago, and now, two days later, it will be available on OTT platforms, but only in one language, Hindi. The film is also being released on Netflix in four languages. Netflix India has announced that Hanuman Ansh is now also coming to its OTT platform. While the Hindi film will be available on Sony Liv, it will also be released in Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam, and Gujarati on Netflix. The caption accompanying the announcement reads, "Faith changed his life. His devotion changed the lives of thousands. Watch the divine story of a devoted devotee of Lord Hanuman now on Netflix." Hanuman Ansh's earnings - Hanuman Ansh is Bollywood's highest-grossing film. The film grossed over ?400 crore at the domestic box office, despite a budget of just ?2 crore. The film was directed by Dr. Vishal Chaturvedi, marking his debut. The character of Neem Karoli Baba is played by Shobhinav Satya.

38 years ago, Mithun Chakraborty played Lord Ram, Kishore Kumar sang the song from the Ram-Leela episode.

Veteran actor Mithun Chakraborty played the role of Lord Ram 38 years ago for a song in one of his old films. Kishore Kumar composed the popular song. Mithun Chakraborty's film was released 38 years ago - Mithun Currently, actor Ranbir Kapoor's name Ramayanam. Ranbir's portrayal of Lord widespread praise. But did you know veteran actor Mithun Chakraborty role of Lord Ram in a song. The sang the song in his melodious voice. was. Kishore Kumar sang the Ram-Leela producing films and songs inspired by regard, actor Mithun Chakraborty's directed by renowned director mind. This movie featured a song that performance, with the lyrics: "Ek Ram singer Kishore Kumar sang this Charanon Ki Saugandh. For the past 38 heard as a Ramayana anthem, and arrives, Kishore Kumar's resonant scenes of the song, actor Mithun Lord Ram, leaving everyone impressed. several other actors, including Amrita Asrani, and Shakti Kapoor, played pivotal roles in Charanon Ki Saugandh. One of Kishore Da's last songs - Hindi cinema's legendary singer Kishore Kumar died of a heart attack in 1987. Several of his songs were released after his death, including "Ek Ram Ne Ravan Ko Mara..." from Mithun Chakraborty's Charanon Ki Saugandh.



played Lord Ram for this song. is in the news for the film Ram on screen has garnered that 38 years ago, a film starring released, in which Mithun played the legendary singer Kishore Kumar Let's find out which film and song it song. Hindi cinema has long been the Hindu epic Ramayana. In this 1988 film, Charanon Ki Saugandh, Kovelamudi Bapayya, also comes to depicted the Ram Leela ne Ravan ko mara..." Legendary melodious song from the film, years, this song has been widely whenever the Ram Leela festival resonates everywhere. In some Chakraborty donned the look of In addition to Mithun Chakraborty, Singh, Kader Khan, Prem Chopra,

After Malaika Arora, is Arjun Kapoor dating Sahiba Bali, who's 10 years younger than him? A photo shared on Gurupurab

Arjun Kapoor and sports presenter Sahiba Bali's photo together on Gurupurab has fueled dating rumors. Sahiba Bali shared a photo with Arjun Kapoor on Gurupurab, and fans consider it a "soft launch." Many people are interested in the dating lives of celebrities. Social media often hints at this, and sometimes exposes it. Sahiba Bali shared a photo - fans get to keep track of their favorite actors' activities. Recently, actress and sports presenter Sahiba Bali uploaded a photo with actor Arjun Kapoor. The photo quickly began to circulate online, leading fans to speculate whether the two were dating. This isn't the first time rumors of Sahiba and Arjun dating have surfaced. On the occasion of Gurpurab, Sahiba shared an Instagram story featuring Arjun Kapoor. The photo shows the two posing together. The photo quickly went viral on the internet. Previously, the two were spotted together during the India vs. England ODI match at Lord's Cricket Ground in London, sparking dating rumors. Fans were drawn to the photo's caption: "I even ate half of his prasad. Happy Gurpurab." Soon after the photo was uploaded, fans noticed Sahiba's funny caption and Arjun's caption about sharing the prasad. The post was then shared on Reddit, where users discussed whether the two were hinting at a relationship. One user wrote, "I know there are a lot of posts about Sahiba asking 'are they dating?' but this is something different and feels like a 'soft launch.'" In fact, it's more than a 'soft launch'." Another user commented, "It definitely looks like a 'soft launch'." A third user said, "Half of his prasad was eaten, yes, they are definitely dating." Name has been linked with these people too - Before Arjun, Sahiba's name was linked with comedian Kullu and Samay Raina. But Sahiba never commented on these alleged relationships. Now her name is being linked with Arjun Kapoor.

